

भारत सरकार  
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय  
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा  
तारांकित प्रश्न संख्या: 83  
25 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

कोविड-19 की वजह से हृदयाघात के कारण अचानक होने वाली मौतों में वृद्धि

† 83\*. डॉ. नामदेव किरसान:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में कोविड-19 बीमारी से ग्रस्त रह चुके परन्तु बाहरी तौर पर स्पष्टतः स्वस्थ दिखने वाले व्यक्तियों में हृदयाघात के कारण अचानक होने वाली मौतों (एससीडी) की दर में असामान्य वृद्धि के कारणों का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन कराया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (ग) देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ऐसे कितने लोगों की मृत्यु हृदय गति रुकने से हुई है जो पूर्व में कोविड-19 बीमारी से ग्रस्त रह चुके हैं?

उत्तर  
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री  
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

**दिनांक 25 जुलाई, 2025 के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 83\*** के उत्तर में दिया जाने वाला  
**विवरण**

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने आकस्मिक मृत्यु के कारणों की जाँच के लिए दो दृष्टिकोण अपनाए। पहला दृष्टिकोण आकस्मिक मृत्यु से जुड़े जोखिम कारकों का पता लगाने के लिए एक पूर्वव्यापी केस-कंट्रोल अध्ययन था, और दूसरा दृष्टिकोण वर्चुअल ऑटोप्सी पद्धति का उपयोग करके युवा वयस्कों में आकस्मिक मृत्यु की प्रत्याशित जाँच करना था। इन दोनों अध्ययनों का विवरण इस प्रकार है:

अध्ययन 1: आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई) ने मई-अगस्त 2023 के दौरान भारत के 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 47 तृतीयक देखभाल अस्पतालों में "भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु से जुड़े कारक - एक बहुकेंद्रित मैच्च केस-कंट्रोल अध्ययन" शीर्षक से एक अध्ययन किया। केस बिना किसी ज्ञात सह-रुणता के स्पष्ट रूप से स्वस्थ व्यक्ति थे, जिनकी 1 अक्टूबर 2021-31 मार्च 2023 के दौरान अचानक (अस्पताल में भर्ती होने के 24 घंटे से कम या मृत्यु से 24 घंटे पहले स्पष्ट रूप से स्वस्थ देखे गए) अस्पष्टीकृत कारणों से मृत्यु हो गई। आयु, लिंग और पड़ोस के लिए मिलान किए गए प्रत्येक केस के लिए चार कंट्रोल शामिल किए गए। कोविड-19 टीकाकरण/संक्रमण, कोविड-19 के बाद की स्थिति, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान, मनोरंजन के लिए नशीली दवाओं का उपयोग, शराब पीने की आवृत्ति, अत्यधिक शराब पीने और मृत्यु से दो दिन पहले अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि के संबंध में मामलों/साक्षात्कार किए गए कंट्रोल के बीच डेटा के संबंध में जानकारी एकत्र की गई।

विश्लेषण में कुल 729 मामले और 2916 कंट्रोल शामिल किए गए थे। यह पाया गया कि कोविड-19 वैक्सीन की दो खुराक को लेने से अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु की संभावना कम हो गई। कोविड-19 के कारण पूर्व में अस्पताल में भर्ती होना, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, मृत्यु/साक्षात्कार से 48 घंटे पहले अत्यधिक शराब पीना, मनोरंजन के लिए नशीली दवा/पदार्थ का उपयोग करना तथा मृत्यु/साक्षात्कार से 48 घंटे पहले अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि करने से अचानक मृत्यु की संभावना बढ़ी हुई पाई गई।

इसलिए, अध्ययन में पाया गया कि कोविड-19 टीकाकरण से भारत में युवा वयस्कों में आकस्मिक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ा। कोविड-19 के कारण पूर्व में अस्पताल में भर्ती होना, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास और कुछ जीवनशैली संबंधी व्यवहारों के कारण आकस्मिक मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है।

अध्ययन 2: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली द्वारा आईसीएमआर के सहयोग और वित्त पोषण से किया गया दूसरा अध्ययन, जिसका शीर्षक है "युवाओं में अचानक और अस्पष्टीकृत मौतों के कारणों का पता लगाना"। यह एक संभावित अध्ययन है जिसका उद्देश्य युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों के सामान्य कारणों का पता लगाना है। अध्ययन के आंकड़ों के प्रारंभिक विश्लेषण से संकेत मिलता है कि दिल का दौरा, या मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एमआई), इस आयु वर्ग में आकस्मिक मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोविड-19 महामारी से पहले के वर्षों की तुलना में कारणों के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है।

ये दोनों अध्ययन मिलकर भारत में युवा वयस्कों में आकस्मिक और अस्पष्टीकृत मृत्यु की अधिक व्यापक समग्र प्रदान करते हैं। यह भी पता चला है कि कोविड-19 टीकाकरण से जोखिम नहीं बढ़ा है, जबकि, अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं, आनुवंशिक प्रवृत्ति और जोखिम भरी जीवनशैली की भूमिका अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु में ज़रूर होती है।

\*\*\*\*\*